PC-13694/NH

B/2111
HINDI SAHITYA
Opt. (i)
(Semester–III)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 75

नोट : यह प्रश्न पत्र **तीन** भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

भाग–क

यह भाग **दो** उपभागों में विभाजित है।

उपभाग–I

I. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए:

(क) रीतिकाल की प्रवृत्तियों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

(ख) रसखान के काव्य की विशेषताएं लिखें। (1×9=9)

उपभाग–II

II. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए:

(क) हिन्दी भाषा के विभिन्न रूपों पर प्रकाश डालें।

(ख) हिन्दी भाषा के मानकीकरण को स्पष्ट करें। (1×8=8)

भाग–ख

यह भाग **दो** उपभागों में विभाजित है।

उपभाग–I

III. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) 'घनानन्द' का व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व लिखें।

(ख) 'गुरु गोबिन्द सिंह' की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालें। (1×9=9)

IV. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या दीजिए :

(क) लाल मनरंजन के मिलिबे कौं मंजन कैं,
चौकी बैठि बार सुखवति बर नारी है।
अंजन, तमोर मनि कंचन सिंगार बिन,
सोहत अकेली देह सोभा कै सिंगारी है।

(ख) कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात।
कहिहै सबु तेरौ हियौ मेरे हिय की बात।। (1×5=5)

उपभाग–II

V. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(क) 'आंधी' कहानी की तात्विक समीक्षा कीजिए।

(ख) 'ग्राम' कहानी का सार लिखें। (1×9=9)

VI. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) श्रावण-मास की संध्या भी कैसी मनोहारिणी होती है! मेघ-माला-विभूषित गगन की छाया सघन रसाल-कानन में पड़ रही है। अंधियारी धीरे-धीरे अपना अधिकार पूर्व-गगन में जमाती हुई, सुशासनकारिणी महाराणी के समान विहंग प्रजागण को सुख-निकेतन में शयन करने की आज्ञा दे रही है।

(ख) मन-ही-मन सोच रहा था– यह भाग्य का संकेत नहीं, तो और क्या है? चलूँ फिर सान देने का काम चलता करूँ। दोनों का पेट भरेगा। वही पुराना चरखा फिर सिर पड़ा। नहीं तो, दो बातें किस्सा-कहानी इधर-उधर की कहकर अपना काम चला ही लेता था? (1×5=5)

भाग–ग

VII. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं?

(क) रीतिकाल की सामाजिक परिस्थिति पर चर्चा करें।

(ख) 'रसखान' के व्यक्तित्व पर चर्चा करें।

(ग) 'भूषण' के काव्य की कोई **दो** विशेषताएं बताएं।

(घ) 'बिहारी' की रचनाओं के नाम लिखें।

(ङ) राजभाषा और राष्ट्रभाषा का अंतर स्पष्ट करें।

(च) हिंदी भाषा का उद्‌भव स्पष्ट करें।

(छ) हिंदी भाषा के शब्द भण्डार को स्पष्ट करें।

(ज) 'सेनापति' का व्यक्तित्त्व स्पष्ट करें।

(झ) 'घनानन्द' की रचनाओं का मूल भाव स्पष्ट करें।

(ञ) 'गुरु गोबिन्द सिंह' का व्यक्तित्व लिखें।

(ट) 'बिहारी' के काव्य का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

(ठ) 'ग्राम' कहानी के पात्रों के नाम लिखें।

(ड) 'आंधी' कहानी का केन्द्रीय भाव लिखें।

(ढ) 'पुरस्कार' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें।

(ण) 'मधुवा' कहानी के पात्रों के नाम लिखें। (15×2=30)